पुंस्काम (*BAH.* e praec. et काम desiderium) maris desiderium habens, maris cupidus. H. 3. 15.

पुक्कश, पुक्कष, पुक्कस *m.* i. q. चण्डाल. AM. पुक्कस *Adj.* (*fem.* ई) vilis, abjectus. HEM.

पुङ्ख *m.* pars pennata sagittae. AM.

पुङ्गव *m.* (e पुम् et गव bos, in compositis solum usurpato, a गो suff. अ; vid. गवराज apud Wils.) 1) taurus. 2) *in fine compositorum* optimus, princeps (*cf.* ऋषभ).

पुछ् 1. *P.* (प्रमादे) negligentem, socordem esse. Cf. मुछ्, युछ्.

पुच्छ *m.n.* cauda. DR. 5. 8. Cf. पिच्छ.

1. पुट् 6. *P.* (संश्लेषणे *K.* श्लेषे *V.*) amplecti.

2. पुट् 10. *P.* पोटयामि (भाषार्थे *K.* चूर्णभासि *V.*) loqui; lucere; conterere. *Cf.* पट्, पठ्, पुथ्, मुण्ट्.

3. पुट् 10. *P.* पुटयामि (संसर्गे) conjungere, ligare, nectere.

पुट्ट् 10. *P.* (अल्पीभावे *K.* तौल्ये *V.*) exiguum esse; vacuum esse.

पुण् 6. *P.* (शुभे *K.* धर्मे *V.*) purum fieri; justum, honestum esse *vel* fieri. *K.*: पुणति स्नानेन जनः. (Cf. पू cl. 9. पुनामि.)

पुण्ड् 1. *P.* (मर्दे; scribitur पुड्, gr. 110[a].) conterere. *Cf.* 2. पुट्, पुंस्, मुण्ट्, मुट्.

पुण्डरीक *n.* alba lotus; *v. sq.*

पुण्डरीकोदरप्रभ (*BAH.* e पुण्डरीकोदर - पुण्डरीक + उदर albae loti venter - et प्रभा splendor) albae loti ventris splendorem habens. H. 1. 32.

पुण्य (r. पुण् s. य) 1) *Adj.* purus, justus, bonus, pulcher. N. 12. 37. IN. 2. 1. 9. 23. BH. 7. 9. 2) *n. Subst.* virtus. N. 15. 17. Lass. 34. 7. IN. 2. 4.

पुण्यकर्तृ *m.* (e praec. et कर्तृ) qui virtutem exercet, justus, probus, sanctus. IN. 2. 4.

पुण्यकर्मन् (*BAH.* ex पुण्य et कर्मन् factum) bona, justa facta habens i. e. agens. IN. 1. 22.

पुण्यकृत् (ex पुण्य et कृत् q. v. faciens) i. q. पुण्यकर्तृ. BH. 6. 41.

पुण्यगन्ध (*BAH.* ex पुण्य et गन्ध odor) suavem odorem habens, bene olens. IN. 2. 23.

पुण्यगन्धिन् (a पुण्यगन्ध suavis odor suff. इन्) suavi ordore praeditus. IN. 2. 2.

पुण्यवत् (a पुण्य s. वत्) 1) virtute praeditus, bonus, justus, probus. 2) felix, fortunatus. AM.

पुण्याह *n.* (e पुण्य et अह dies, v. gr. 681.) dies festus (Wilson: *A holy day*).

पुत्र *m.* filius. *In Plur. et ubi in initio comp. pluralem habet sensum,* 1) filii, 2) liberi, *tam masculini quam feminini.* BR. 1. 19. *Scribitur etiam* पुत्त्र. (Armor. *paotr* puer; pers. *pusr* filius, puer; lat. *puer*; v. पुत्री.)

पुत्रक *m.* (a praec. s. क) filius. Lass. 2. 15.

पुत्रदार *n.* (*DVANDV.* e पुत्र et दार, v. gr. 660.) liberi et uxor. BR. 1. 19.

पुत्रपौत्रिन् (ex comp. *DVANDV.* पुत्रपौत्र suff. इन्) filios et filiorum filios habens *vel* liberos et liberorum liberos habens. SA. 5. 57.

पुत्रिका (Fem. τοῦ पुत्रक, mutato penultimo अ in इ) filia. N. 16. 6.

पुत्रिन् (a पुत्र s. इन्) liberos habens. N. 24. 13.

पुत्री *f.* (a पुत्र signo *fem.* ई) filia. SA. 1. 29. (Hib. *piuthar* «a sister».)

पुत्रीय (a पुत्र s. ईय) ad filium, ad filios, ad liberos spectans. RAGH. 10. 4.

पुथ् 4. *P. praesertim* 10. *P.* पुथ्यामि, पोथयामि conterere. DR. 8. 22.: गजः ... पतन् अवाक्शिरा भूमौ हस्त्यारोहान् अपोथयत्; MAH. 4. 643.: तस्य पोथयामि पदा शिरः; 3. 11106.: महावृक्षान् पोथयन्; 5. 5021.: पोथयामास तान् सर्वान्; 3. 545.: सर्वान् सर्पान् अपोथयत्. (Cf. पुन्थ्, पुण्ड्, 2. पुट्, मथ्, मन्थ्, मुट्, मुण्ट्, कुन्थ्, lat. *quatio, concutio*, mutatâ labiali in gutturalem, sicut e. c. in *quinque* = पञ्च; v. कुन्थ्.)

c. वि *id.* DEV. 2. 57.: विपोथिता निपातेन गदया भुवि शेरते; MAH. 4. 1105.: अश्वान् अस्य व्यपोथयत्.

पुनर् *Adv.* 1) iterum, denuo, rursus. N. 8. 8. 15. 16. *Saepe repetitur.* N. 7. 16. 2) retro. पुनर् एष्यति redibit. DR.